# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
# डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
# पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

**बुलेटिन संख्या-४५**
**दिनांक- शुक्रवार, ७ जून,२०१९**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.० एवं २४.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७२ सुबह में एवं दोपहर में ४५ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.० एवं दोपहर में ३८.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (८-१२ जून,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ८-१२ जून, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार में मध्यम बादल छाये रह सकते हैं। हलाकि इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है। उत्तर बिहार में इस दौरान १-२ स्थानों पर गरज वाले बादल बनने के साथ तेज हवा एवं बुंदा-बुंदी या हल्की वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २४ से २७ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ८ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसान भाई तैयार मक्का की कटनी, दौनी एवं दाने को सुखाने का काम करें। मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में पलट दें। उत्तर बिहार में १-२ स्थानों पर बुंदा-बुंदी या हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए कृषक भाईयों को थोड़ा सर्तक रहने की भी आवश्यकता है।
- खरीफ मक्का की अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर २० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई पूर्व खेत में प्रर्याप्त नमी की जाँच कर लें।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। छोटी-छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ३ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३० x२० से०मी० रखे। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- जो किसान भाई लम्बी अवधि वाले धान लगाना चाहते है, वे राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा,स्वर्णा सब-१ बी०पी०टी०-५२०४ एवं सत्यम आदि किस्में १० जुन तक बीजस्थली में गिराने का प्रयास करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००- १००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन २.० ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं निकाई-गुड़ाई करें। कीट-व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलोग्रम यूरिया, १.५ किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, १.३ किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- ओल की रोपाई अतिशीघ्र संपन्न करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। ढ़ैचा के लिए बीज दर २५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए टीके लगावें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.४ डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.५ डिग्री सेल्सियस अधिक |

**नोडल पदाधिकारी**